भयानक बाघ

जैक प्रीलुटस्की

चित्र: अर्नोल्ड लोबेल

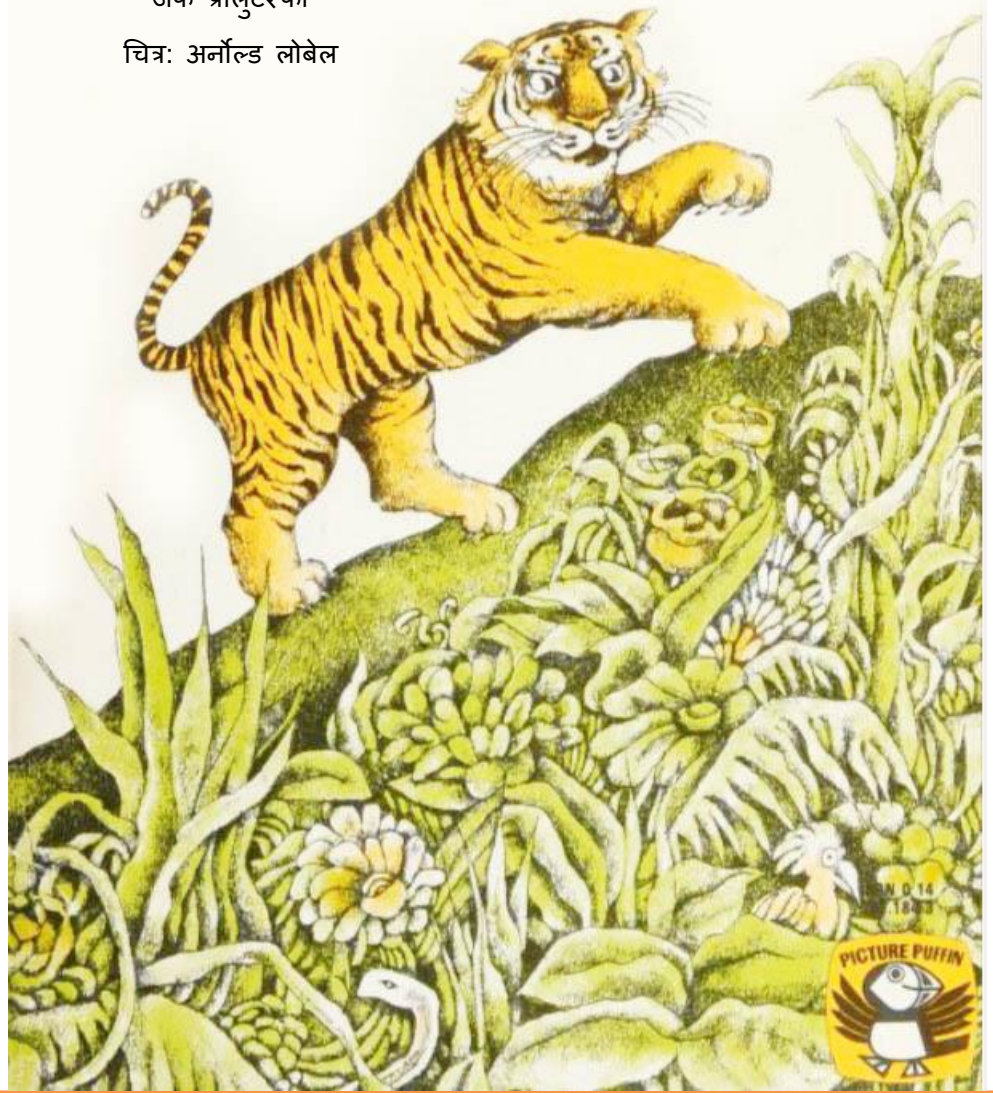

भयानक बाघ

जैक प्रीलुटस्की

चित्र: अर्नोल्ड लोबेल

भोर में भयानक बाघ उठा,
उसने अपना पेट खुजाया,
उसने एक जम्हाई ली.
उसने अपनी आँखें मलीं,
फिर जम्हाई ली,
और फिर उसने अपनी भयानक मांद छोड़ दी.

उसने अपने दाँत पीसे,
और अपनी पूँछ घुमाई,
फिर भूखे पेट वो रास्ते पर चल पड़ा.
और जैसे ही वो बहुत तेजी से आगे बढ़ा,
उसने भयानक ढंग से अपना भयानक गाना गाया.

"ओह, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ जो कभी जीवित रहा है,
और जो कोई भी मेरे रास्ते में आएगा
मैं आज निश्चित रूप से उसे निगल जाऊंगा,
चाहे वो मोटा हो या दुबला, मैं उसे खा जाऊँगा.
क्योंकि मैं बहुत भयानक हूँ,
मैं बहुत मतलबी हूँ.
हाँ, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ
जो कभी जीवित रहा है."

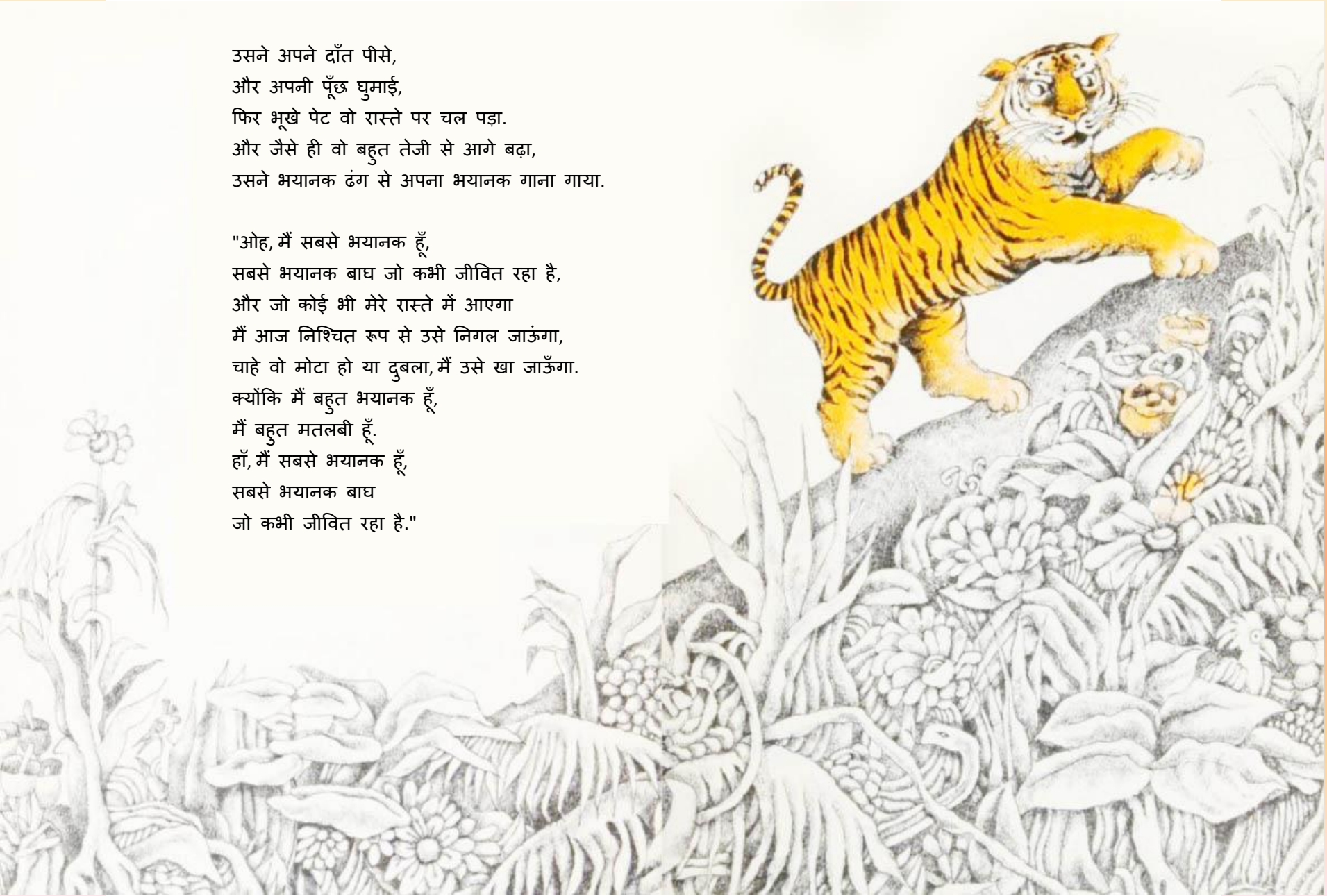

बाघ ने अभी ज्यादा दूर तक यात्रा नहीं की
आधे मील से अधिक नहीं,
जब उसकी मुलाकात गांव के पंसारी से हुई,
और बाघ ने एक भयानक मुस्कान बिखेरी.

"सुप्रभात, अच्छे व्यापारी,"
वो बुरी तरह गुर्राया,
"तुम्हारा स्वागत करते हुए मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है.
मैंने कल रात ग्यारह बजे से
कुछ नहीं खाया है
इसलिए, पंसारी, मैं तुम्हें खाने जा रहा हूँ."

काँपता हुआ पंसारी घुटनों के बल गिर पड़ा,
और उसने भयभीत हकलाते हुए विनती की,
"ओह, मुझे छोड़ दो. बाघ, कृपया मेहरबानी करो,
मैं तुम्हें पनीर और मक्खन खिलाऊंगा."

बाघ घुर्राया,
बाघ गुस्से में हंसा,
उसने भयानक मुस्कान बिखेरी.

"मैं तुम्हारा पनीर, तुम्हारा मक्खन भी खाऊंगा,
और वैसे तुम में सिर्फ हड्डियाँ और त्वचा ही है,
पर मैं अपनी ठुड्डी पोंछने के बाद
तुम्हें उठाऊंगा और बाकी चीजें खाने के बाद
मैं तुम्हें भी सफाचट कर जाऊंगा."

फिर गपड़-गपड़ करके बाघ पंसारी को खा गया,
बाघ ने जो कहा था उसने वही किया.
उसने दुकान का मालिक, मक्खन और पनीर खाया,
फिर, बहुत जल्दी से
वो मुड़ा और बहुत तेजी से आगे बढ़ा,
वो भयानक रूप से अपना भयानक गीत गा रहा है.

"ओह, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ जो कभी जीवित रहा है,
और जो कोई भी मेरे रास्ते में आएगा
मैं आज निश्चित रूप से उसे निगल जाऊंगा,
चाहे वो मोटा हो या दुबला, मैं उसे खा जाऊँगा.
क्योंकि मैं बहुत भयानक हूँ, मैं बहुत मतलबी हूँ.
हाँ, मैं सबसे भयानक हूँ, सबसे भयानक बाघ
जो कभी जीवित रहा है."

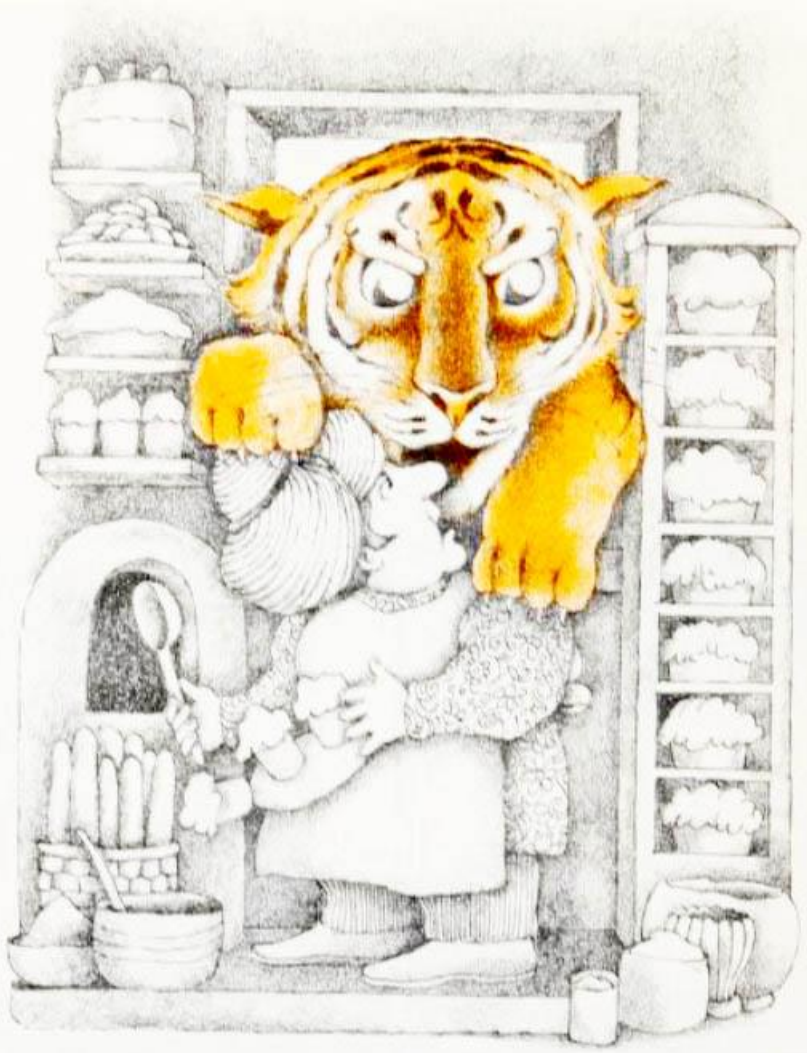

बाघ ने भयानक हँसी हँसी,
क्योंकि उसने अपनी आंखों के सामने
गाँव की बेकरी के मालिक को देखा
डबलरोटी, बन और बिस्कुट के साथ.

"सुप्रभात, मोटे बेकरी मालिक,"
बाघ बुरी तरह गुर्राया,
"तुम्हारा स्वागत करते हुए मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है.
क्योंकि मैं एक बाघ हूं, और एक बहुत बुरा बाघ हूं,
मैंने किराने की दुकान में जो कुछ भी था, वो सब खा लिया,
लेकिन मैं अभी भी भूखा हूं, और मुझे कुछ और खाना होगा
इसलिए बेकर, मैं तुम्हें खाने जा रहा हूँ."

"ओह, मुझे छोड़ दो, श्रीमान," बेकर चिल्लाया.
"मैं तुम्हें डबलरोटी और केक खिलाऊंगा,
बेहतरीन बिस्कुट, बन और रोल
जिन्हे और कोई नहीं पका सकता है."

बाघ घुर्राया,
बाघ गुस्से में हंसा,
वो एक कान से दूसरे कान तक मुस्काया.

“मैं यह कैसी मूर्खता भरी बातें सुन रहा हूँ?
ओह, निश्चित रूप से मैं तुम्हारी डबलरोटी खाऊंगा,
लेकिन, बेकर, तुम ग़लतफहमी में मत रहना
उसके बाद मैं तुम्हारा सिर भी खाऊंगा.
मुझे विश्वास है कि तुम्हें यह साफ़ हो गया होगा."

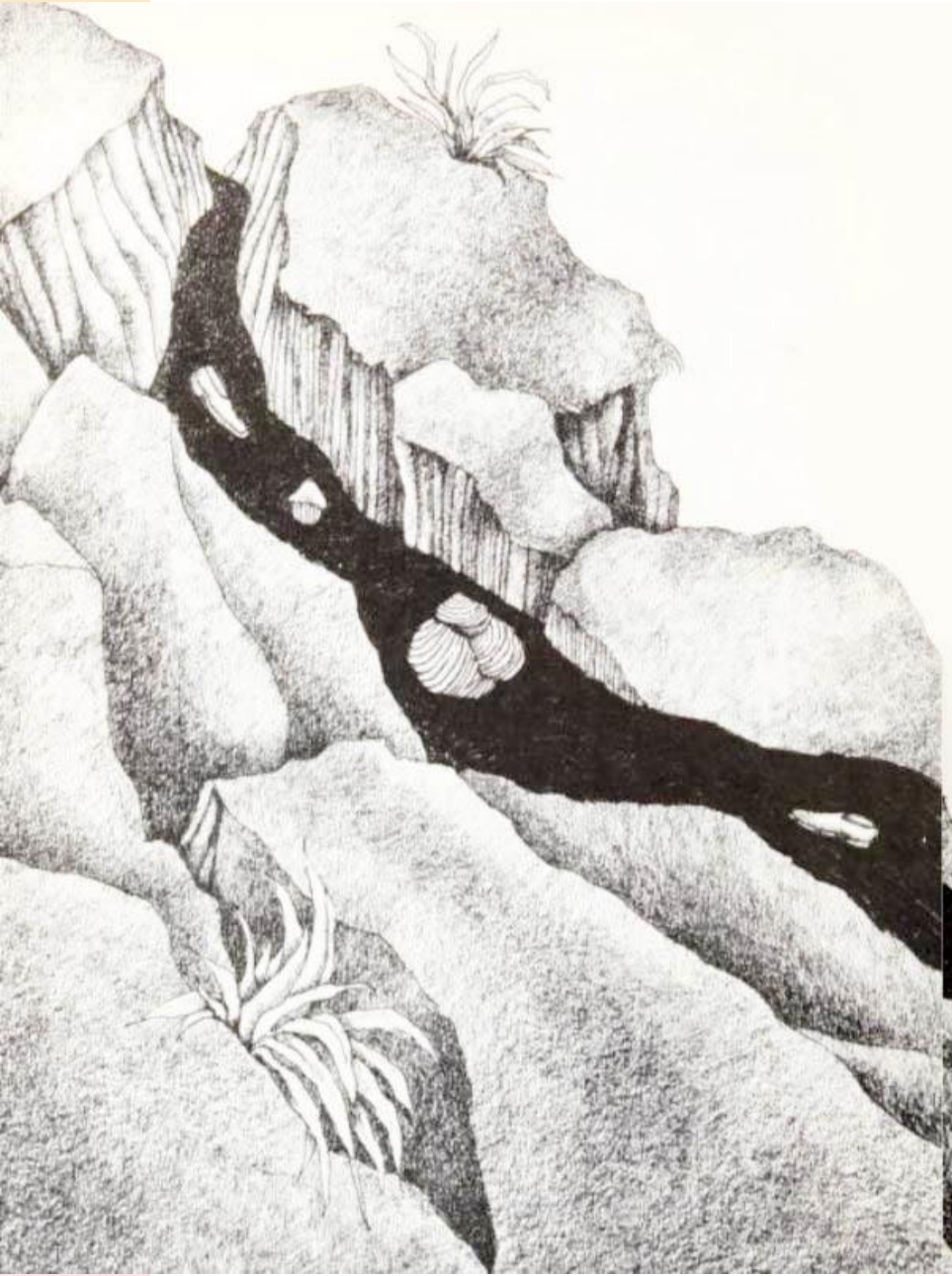

फिर गपड़-गपड़ करके बाघ, बेकर को खा गया,
बाघ ने जो कहा था उसने वही किया.
उसने बेकर को खाया, गोल और मोटा,
और जब उसने खाना समाप्त किया
फिर वो मुड़ा और बहुत तेजी से आगे बढ़ा,
वो भयानक रूप से अपना भयानक गीत गा रहा है.

"ओह, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ जो कभी जीवित रहा है,
और जो कोई भी मेरे रास्ते में आएगा
मैं आज निश्चित रूप से उसे निगल जाऊंगा,
चाहे वो मोटा हो या दुबला, मैं उसे खा जाऊँगा.
क्योंकि मैं बहुत भयानक हूँ,
मैं बहुत मतलबी हूँ.
हाँ, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ
जो कभी जीवित रहा है."

बाघ ने कुछ देर यात्रा की
बड़ी भयानक गति से,
फिर उसने एक हट्टे-कट्टे किसान को देखा
उसने किसान के चेहरे को घूरकर देखा.

"सुप्रभात, किसान,"
वो बुरी तरह गुर्राया,
"तुम्हारा स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है,
आज मैंने नाश्ते में जो कुछ भी खाया है
उनमें एक किराना विक्रेता और बेकर शामिल हैं, जो मुझे रास्ते में मिले.
देखो किसान, अब चाहें तुम जो कुछ भी कहो,
मैं तुम्हें खाने जा रहा हूँ."

किसान ने प्रार्थना की, "मुझे छोड़ दो.
मैं तुम्हें अंजीर और जामुन खिलाऊंगा,
सबसे अच्छी नाशपाती और कीनू,
केले, प्लम और चेरी खिलाऊंगा."

बाघ घुर्राया,
बाघ गुस्से में हंसा,
उसने अपनी नाक से फुसफुसाया.

"तुम यह क्या बकवास बक रहे हो?
बेवकूफ मैं तुम्हारे फल ज़रूर खाऊंगा,
लेकिन घड़ी में बारह बजने से पहले
मैं तुम्हें भी आलूबुखारे की तरह निगल जाऊंगा,
पहले तुम्हारा सिर और फिर पैरों की उंगलियां."

फिर गपड़-गपड़ करके बाघ किसान को भी खा गया,
बाघ ने जो कहा था उसने वही किया.
बाघ अपनी भयानक आवाज़ में चिल्लाया
और किसान समेत अंजीर और सब फल भी निगल गया,
फिर बाघ मुड़ा और बुरी तरह उछला
वो भयानक रूप से अपना भयानक गीत गाने लगा.

"ओह, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ जो कभी जीवित रहा है,
और जो कोई भी मेरे रास्ते में आएगा
मैं आज निश्चित रूप से उसे निगल जाऊंगा,
चाहे वो मोटा हो या दुबला, मैं उसे खा जाऊँगा.
क्योंकि मैं बहुत भयानक हूँ,
मैं बहुत मतलबी हूँ.
हाँ, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ
जो कभी जीवित रहा है."

बाघ पगडंडी पर तेजी से दौड़ा,
अपनी भयानक गर्जना करते हुए.
वो जल्द ही एक दर्जी के पास पहुंचा
और उसने सोचा मेरे पेट में
अभी भी कुछ और खाने की जगह बची है.

"सुप्रभात, बूढ़े दर्जी,"
वो बुरी तरह गुर्राया,
"तुम्हारा स्वागत करते हुए मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है.
मैंने किराना दुकानदार, बेकरी मालिक को अभी चट किया है,
मैंने किसान को उसके सारे फलों सहित खा डाला है.
इसलिए, दर्जी, उस कमीज को पूरा करने की जहमत मत उठाओ.
देखो दर्जी, मैं अब तुम्हें खाने जा रहा हूं."

दर्जी ने अपना चश्मा उतारा
और अपनी सुई नीचे रखी.
उसने बहुत सोच-समझकर ऊपर देखा
फिर हलके से अपनी भौहें सिकोड़ लीं.

"नारंगी बाघ, काला बाघ,
बाघ सोचता है कि मैं उसका नाश्ता हूँ
लेकिन,यदि बाघ में कुछ भी अकल है,
तो बाघ यहाँ से तुरंत चला जाएगा."

बाघ घुर्राया,
बाघ गुस्से में हंसा,
वो खांसा और फिर उसने कहा.

"तुमने मुझे धमकी देने की हिम्मत की, बूढ़े आदमी?
इसलिए मैं ज़रूर तुम्हारा नाश्ता करूँगा,
वास्तव में, मैं तुम्हें एक गाय की तरह खाऊंगा.
और मैं वो काम जितनी जल्दी हो सकेगा करूँगा."

फिर गपड़-गपड़ करके बाघ दर्ज़ी को भी खा गया,
बाघ ने जो कहा था उसने वही किया.
उसने दर्जी को उसके स्टूल से नीचे खींचा
फिर उसने खाया, थिम्बल, धागा और स्पूल,
फिर बाघ मुड़ा और तेज़ी से उछला
और भयानक रूप से अपना भयानक गीत गाने लगा.

हाँ, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ
जो कभी जीवित रहा है."

"और जो कोई भी मेरे रास्ते में आएगा
मैं आज निश्चित रूप से उसे निगल जाऊंगा,
चाहे वो मोटा हो या दुबला, मैं उसे खा जाऊँगा.
क्योंकि मैं बहुत भयानक हूँ,
मैं बहुत मतलबी हूँ.

हाँ, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ
जो कभी जीवित रहा है."

लेकिन जब बाघ धीरे-धीरे चला
अपने बेहद भयानक तरीके से,
तब दर्जी ने माचिस जलाकर
बाघ के दूसरे अन्य शिकारों को देखा.

किसान ने आह भरी, बिचारा बेकरी मालिक रोया,
पंसारी कराहने लगा "मेरी तो शामत आ गई!"
दर्जी ने अपना चश्मा पहना.
"फ़िक्र मत करो!" वो मुस्कराया. "हम देखेंगे!

"ऐसा लगता है कि हमें इस बाघ को
भोजन करने से पहले लोगों से पूछना सिखाना होगा,"
और यह कहकर दर्जी ने अपनी चाक उठाई
और सावधानी से कुछ रेखाएँ खींचीं.

"चाक और माप, कैंची और पिन,
इस प्रकार दर्जी का काम शुरू हुआ.
डरने की कोई जरूरत नहीं है,
क्योंकि अब दर्जी ने अपना काम शुरू कर दिया था.

"कैंची ने किट-किट करके आवाज़ की,
उसकी कैंची, कभी फिसली नहीं.
दर्जी के दोस्तों को डरने की जरूरत नहीं,
कैंची ने उन्हें एक छेद में से बाहर जाने दिया."

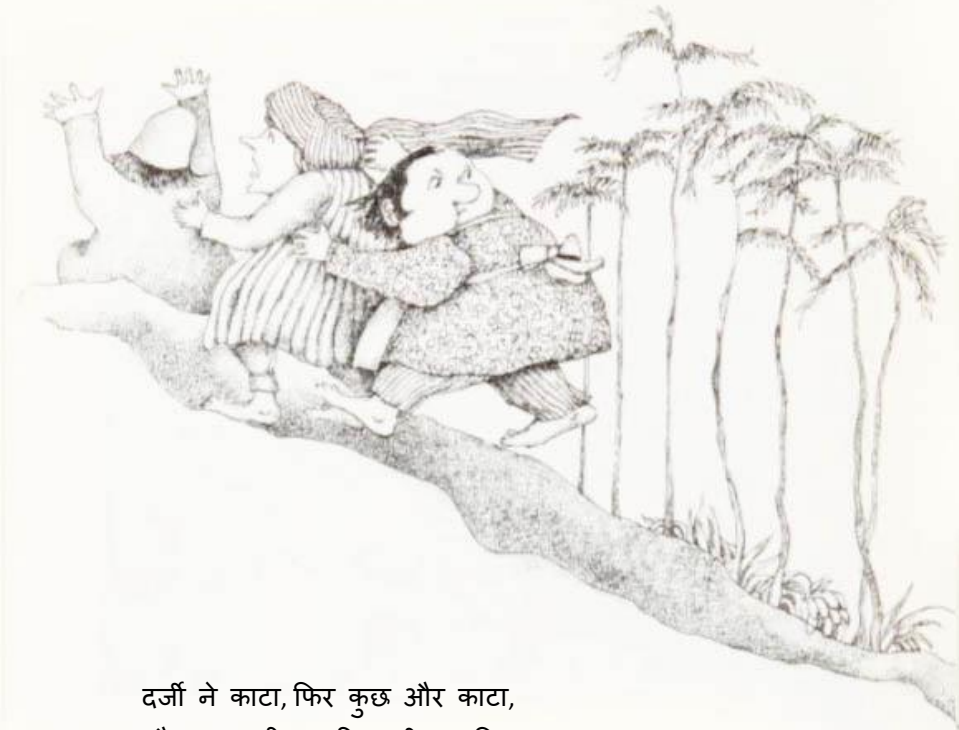

दर्जी ने काटा, फिर कुछ और काटा,
और जल्द ही उनकी ख़ुशी का ठिकाना न रहा
क्योंकि दर्जी ने अन्य तीन लोगों को मुक्त कर दिया,
और जल्द ही वे लोग नज़रों से ओझल हो गए.

जब उसके दोस्त सुरक्षित भाग निकले
फिर दर्जी भी धीरे-धीरे बाहर निकला
और उसने बाघ से बात की, जो एकदम निराश बैठा था
और अपनी खाल के छेद का निरीक्षण कर रहा था.

"नारंगी बाघ, काला बाघ,
बाघ सोचता है कि मैं उसका नाश्ता हूँ
चूंकि बाघ ने बेहद जल्दबाजी में खाना खाया,
बाघ का पूरा भोजन बेकार चला गया.
लेकिन बाघ को चिंता करने की जरूरत नहीं होगी.
भले ही वो असभ्य है, पर मैं उसे सुधार दूँगा,
क्योंकि जब कोई छेद बिना-सिले रह जाए
तो वो एक अच्छे दर्जी को सिलने पर मजबूर करता है."

और फिर दर्जी काम पर लग गया
उसकी उंगलियां फुर्ती से काम करने लगीं
कुछ देर में उसने उस भयानक बाघ को सिल दिया
सुई, धागा और थिम्बल की मदद से.

बाघ चुपचाप बैठा रहा
अपना सिर हिलाता रहा
जब तक दर्जी ने काम ख़त्म नहीं किया
और आखिरी धागे को नहीं काटा.

फिर बाघ अपने पैरों पर खड़ा हुआ
एक भयानक झटके के साथ,
वो दर्जी पर गरजा
और उसने चारों ओर एक चक्कर लगाया.

उसने अपने दाँत पीसे,
और पूँछ घुमाई,
फिर भूखे पेट वो रास्ते पर चल पड़ा.
और जैसे वो बहुत तेजी से आगे बढ़ा,
उसने भयानक ढंग से अपना भयानक गाना गाया.

"ओह, मैं सबसे भयानक हूँ,
सबसे भयानक बाघ जो कभी जीवित रहा है,
और जो कोई भी मेरे रास्ते में आएगा
मैं आज निश्चित रूप से उसे निगल जाऊंगा,
चाहे वो मोटा हो या दुबला, मैं उसे खा जाऊँगा.
सिवाय उस दर्जी के,
क्योंकि उसे पचाना आसान नहीं है.
लेकिन अन्यथा, मैं बाकी सभी लोगों को खा जाऊँगा,
मैं उन्हें खाऊंगा चाहे वे छोटे हों या लंबे,
चाहे वे मोटे हों या दुबले, मैं उन्हें खाऊंगा
क्योंकि मैं बहुत ही भयानक, बहुत ही मतलबी हूँ.

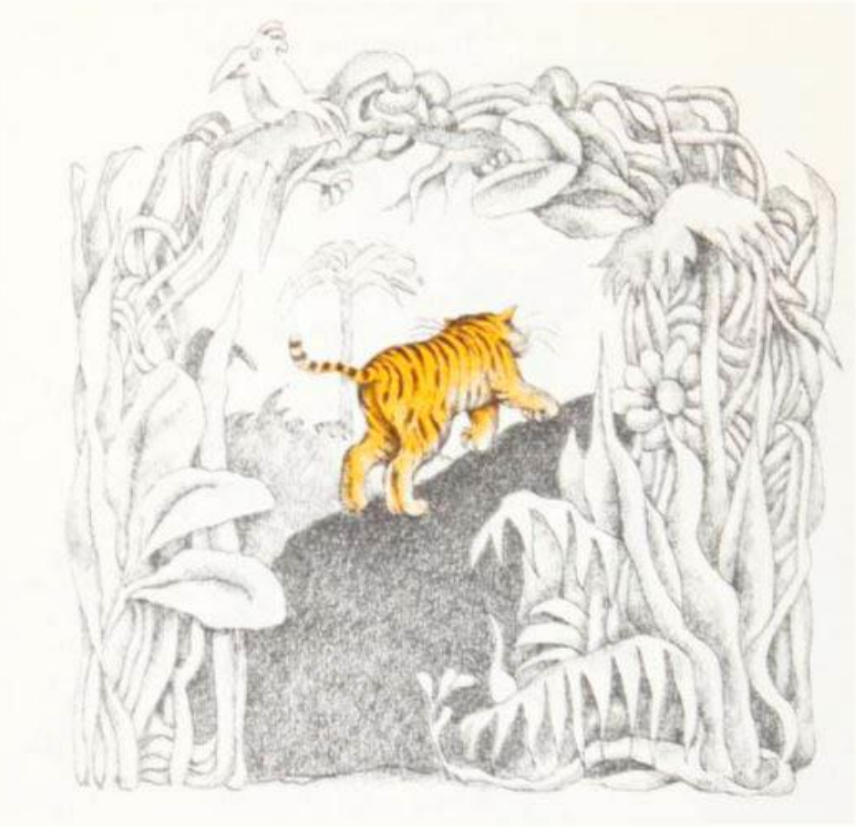

हाँ. मैं सबसे भयानक हूँ.
भयानक, भयानक
बाघ जो कभी रहा है."

अंत